

धरती — पृथ्वी — Earth - सौरमण्डल का एक ग्रह है जिसे **विश्व** भी कहा जाता है। यह दूरी के आधार पर सूर्य से तीसरा ग्रह है। यह एक ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन पाया जाता है। इसकी सतह का 71% भाग जल से तथा 29% भाग भूमि से ढका हुआ है। इसकी सतह विभिन्न प्लेटों से बनी हुई है। इस पर पानी तीनों अवस्थाओं में पाया जाता है। इसके दोनों ध्रुवों पर बर्फ की एक मोटी परत है। रेडियोमेट्रिक डेटिंग अनुमान और अन्य सबूतों के अनुसार पृथ्वी की उत्पत्ति 4.54 अरब साल पहले हुई थी। पृथ्वी के इतिहास के पहले अरब वर्षों के भीतर जीवों का विकास महासागरों में हुआ और पृथ्वी के वायुमण्डल और सतह को प्रभावित करना शुरू कर दिया जिससे एनारोबिक और बाद में, एरोबिक जीवों का प्रसार हुआ। कुछ भूगर्भीय साक्ष्य इंगित करते हैं कि जीवन का आरम्भ 4.1 अरब वर्ष पहले हुआ होगा। पृथ्वी पर जीवन के विकास के दौरान जैवविविधता का अत्यन्त विकास हुआ। हजारों प्रजातियाँ लुप्त होती गयीं और हजारों नई प्रजातियाँ उत्पन्न हुईं। इसी क्रम में पृथ्वी पर रहने वाली 99% से अधिक प्रजातियाँ विलुप्त हैं। सूर्य से उत्तम दूरी, जीवन के लिए उपयुक्त जलवायु और तापमान ने जीवों में विविधता को बढ़ाया।



बाग — बगीचा — Garden - बागबानी (**Gardening**) पौधों को उगाने व उनकी देख रेख करने की क्रिया को कहते हैं। यह उद्यान विज्ञान (horticulture) का भाग है और इसमें फूलों और अन्य पौधों को सजावट के लिये; जड़ वाले, पत्तेदार व फलदार पौधे और जड़ी-बूटीयाँ खाने के लिये, और अन्य पौधे रंगों, औषधियों और श्रृंगार-सामग्रियों के लिये उगाये जाते हैं।



जलाशय — कोश — Reservoir - प्रायः बड़ी प्राकृतिक या कृत्रिम झील को, या पोखरे को, या किसी बांध के निर्माण के फलस्वरूप निर्मित जलराशि को **जलाशय** (reservoir) कहते हैं।



फूल — पुष्प — Flower - पुष्प, अथवा फूल, जनन संरचना है जो पौधों में पाए जाते हैं। ये (मेग्नोलियोफाईटा प्रकार के पौधों में पाए जाते हैं, जिसे एग्नियो शुक्राणु भी कहा जाता है। फूल-पौधों के प्रजनन अवयव के साथ-साथ, फूलों को इंसानों/मनुष्यों ने सराहा है और इस्तेमाल भी किया है, खासकर अपने माहोल को सजाने के लिए और खाद्य के स्रोत के रूप में भी।



फलों — फलों — The fruits - निषेचित, परिवर्तित एवं परिपक्व अंडाशय को फल कहते हैं। साधारणतः फल का निर्माण फूल के द्वारा होता है। कई पादप प्रजातियों में, फल के अंतर्गत पक्व अंडाशय के अतिरिक्त आसपास के ऊतक

भी आते है। फल वह माध्यम है जिसके द्वारा पुष्पीय पादप अपने बीजों का प्रसार करते हैं, हालांकि सभी बीज फलों से नहीं आते।



खेती – कृषि – Farming -कृषि खेती और वानिकी के माध्यम से खाद्य और अन्य सामान के उत्पादन से संबंधित है। कृषि एक मुख्य विकास था, जो सभ्यताओं के उदय का कारण बना, इसमें पालतू जानवरों का पालन किया गया और पौधों (फसलों) को उगाया गया, जिससे अतिरिक्त खाद्य का उत्पादन हुआ। इसने अधिक घनी आबादी और स्तरीकृत समाज के विकास को सक्षम बनाया।



box
easy

फसलों – उपज – Crops -फसल या सस्य किसी समय-चक्र के अनुसार वनस्पतियों या वृक्षों पर मानवों व पालतू पशुओं के उपभोग के लिए उगाकर काटी या तोड़ी जाने वाली पैदावार को कहते हैं। ... उदाहरण के लिए उत्तर भारत, पाकिस्तान व नेपाल में रबी की फ़सल और खरीफ़ की फ़सल दो बड़ी घटनाएँ हैं जो बड़ी हद तक इन क्षेत्रों के ग्रामीण जीवन को निर्धारित करती हैं।



शाखें — Branches - प्रत्येक **शाखा** की कई उप-शाखाएँ भी होती हैं और कई शाखाएँ तथा उप-शाखाएँ मिलकर एक जालनुमा छत बुनती हैं जिसकी वजह से पेड़ को उसकी छतरी मिलती है। इस अर्थ में **शाखा** को टहनी भी कहते हैं। **शाखा** किसी विषय विशेष के उप-भाग को भी कहते हैं। किसी मृग के दो प्रमुख सींगों से निकले छोटे-छोटे सींगों को भी **शाखा** कहते हैं।



सभ्यता — संस्कृति — Civilization - सभ्यता शब्द का प्रयोग मानव समाज के एक सकारात्मक, प्रगतिशील और समावेशी विकास को इंगित करने के लिये किया जाता है। सभ्य समाज अक्सर उन्नत कृषि, लंबी दूरी के व्यापार, व्यावसायिक विशेषज्ञता और नगरीकरण आदि की उन्नत स्थिति का द्योतक है। ... सभ्यता से मनुष्य के भौतिक क्षेत्र की प्रगति सूचित होती है



inbox
n easy